Programme(कार्यक्रम):- M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):- HNO-14

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक): Uttar Aadhunik Vimarsh

(उत्तर आधुनिक विमर्श)

No. of credits (क्रेडिट):- 04 (48 Hours)

Effective from Academic Year:- 2018-19

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	आधुनिकता का इतिहास , आधुनिकता के विविध रूप और अवधारणा की जानकारी अपेक्षित है। साहित्य के संदर्भ में इसकी क्या भूमिका रही है , यह भी जरूरी है।	

उद्देश्य	प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को आधुनिकता ,आधुनिकतावाद की अवधारणा, उत्तर आधुनिक विमर्श, आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता में अंतरसम्बन्ध तथा उत्तर आधुनिक विमर्श के विभिन्न क्षेत्रों जैसे साहित्य , समाज, राजनीति, धर्म का जुड़ाव और स्त्री, दलित, आदिवासी, विस्थापन विमर्श का क्या स्वरूप निर्मित हो रहा है, का ज्ञान कराना मुख्य उद्देश्य है। इसके साथ ही विभिन्न रचनाओं को आधार बनाकर उत्तर आधुनिक विमर्श को विवेचित करना आवश्यक है।	
	1. आधुनिकता और आधुनिकतावाद: अवधारणा एवं स्वरूप। • उत्तर आधुनिक विमर्श • आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता का अंतरसम्बन्ध	12hours
	2. उत्तर आधुनिक विमर्श: बाजारवाद और भूमंडलीकरण • उत्तर आधुनिक विमर्श का अन्य क्षेत्रों से सम्बन्ध: साहित्य, समाज, राजनीति, संस्कृति, धर्म। • उत्तर आधुनिक विमर्श की परंपरा: स्त्री, दलित, आदिवासी, विस्थापन।	14
	3. निर्धारित रचनाएं • कविता: केदारनाथ सिंह: अकाल में दूब, विष्णु खरे: सिर पर मैला ढोने की प्रथा, अनामिका: स्त्रियां • कहानियां: उदय प्रकाश: तिरिछ, पंकज बिष्ट: बच्चे गवाह नहीं हो सकते, महेश कटारे: मुर्दा स्थगित	22

	• उपन्यास: वीरेन्द्र जैन: डूब, मनोहर श्याम जोशी: कुरु कुरु स्वाहा • नाटक: सुरेन्द्र वर्मा: आठवां सर्ग	
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण,पी.पी.टी प्रस्तुतिकरण, वृत्तचित्र ।	
References/readings (संदर्भ ग्रंथ)	1. सुधीश पचौरी: उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श, वाणी प्रकाशन दिल्ली, 2000 2. सुधीश पचौरी: देरिदा का विखंडनवाद और साहित्य, वाणी प्रकाशन दिल्ली, 1997 3. सुधीश पचौरी: देरिदा विखंडन की सैद्धांतिकी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2014 4. अभय कुमार दुबे(संपादन): आधुनिकता के आइने में दलित, वाणी प्रकाशन दिल्ली, 2008 5. अभय कुमार दुबे(संपादन): भारत का भूमंडलीकरण, वाणी प्रकाशन दिल्ली, 2002 6. शशिभूषण पाण्डेय: उत्तर आधुनिक बहुआयामी संदर्भ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010 7. रवि श्रीवास्तव: उत्तर आधुनिकता, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर, 2006 8. कृष्णदत्त पालीवाल: उत्तर आधुनिकता की ओर , वाणी प्रकाशन , दिल्ली, 2016 9. गोपीचंद नारंग: संरचनावाद , उत्तर संरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2005 10. पुष्पपाल सिंह: भूमंडलीकरण और हिन्दी उपन्यास , राधाकृष्ण	

	प्रकाशन, दिल्ली, 2012 11.अभय कुमार दुबे(संपादन): समाज विज्ञान कोश भाग 1 से 6, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2016 12.सुधा सिंह: ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ , ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन , दिल्ली, 2008 13.गोपा जोशी: भारत में स्त्री असमानता एक विमर्श , हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली, 2011 14.साधना आर्य , निवेदिता मेनन , जिनी लोकनीता(संपादक): नारीवादी राजनीति संघर्ष एवं मुद्दे,हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली, 2013 15.राधा कुमार: स्त्री संघर्ष का इतिहास(1800-1900),(अनुवाद एवं संपादन: रमाशंकर सिंह दिव्यदृष्टि) वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2011 16.प्रभा खेतान: उपनिवेश में स्त्री मुक्ति कामना की दस वार्ताएं , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014	